पृ.7

R. M. M. Law. College.
Amrendra Kumar Trivedi
part. Time Law-Teacher
Subject- Evidence

सुसंगत स्वीकृति —

यदि ऐसी संस्वीकृति अन्यथा सुसंगत है वह केवल इसलिए कि वह गुप्त रखने के वचन के अधीन या उसे अभिप्राप्त करने के प्रयोजनार्थ अभियुक्त व्यक्ति से की गई प्रवंचना के परिणामस्वरूप या उस समय जब कि वह मत्त था, की गई थी, अथवा इसके लिये कि वह ऐसे प्रश्नों के, चाहे उस समय की परिस्थितिवश ऐसा मत था, की गई थी, अथवा इसके लिये वह ऐसे प्रश्नों के, चाहे उनका रूप कैसा ही क्यों न रहा हो, उत्तर में की गई थी, जिनका उत्तर देना उसके लिए आवश्यक नहीं था अथवा इसलिए कि उसे यह चेतावनी नहीं दी गई थी कि वह ऐसी संस्वीकृति करने के लिये आबद्ध नहीं था और कि उसके विरुद्ध उसका साक्ष्य दिया जा सकेगा विसंगत नहीं हो जाती।

धारा २९ यह कहती है कि यदि अभियुक्त व्यक्ति द्वारा की गई कोई संस्वीकृति अन्यथा सुसंगत है तो इसलिये विसंगत नहीं हो जाती
(1) गुप्त रखे जाने के वचन के फलस्वरूप
(2) उसे प्राप्त करने के हेतु अभियुक्त

Scanned with CamScanner

पृष्ठ 2

व्यक्ति से की गई प्रवंचना (चालाकी) के फलस्वरूप।

(3) उस समय वह मदिरा पिये हुए था।

(4) उन प्रश्नों का उत्तर जिनका उत्तर देना आवश्यक नहीं था।

(5) यह कि उस कारण की चेतावनी नहीं दी गयी थी कि वह ऐसी संस्वीकृति करने के लिए आबद्ध नहीं था।

ध्यान रखने वाली बात सिर्फ यह कि यह धारा उन्हीं संस्वीकृति पर लागू होती है जो सुसंगत है। विसंगत है तो प्रस्तुत धारा के उपबन्धों के प्रवर्तन में आने का कोई प्रश्न नहीं उठता। धारा. 24, धारा 2 धारा. 28 में वर्णित है जो धारा के उपबन्धों के फलस्वरूप ग्राह्य नहीं हो सकेगी।

Scanned with CamScanner